हमारे चारों ओर प्रकृति की आभा

मकारियो सरसोसो द्वारा लिखित

आपको 'अर्थ डे' [पृथ्वी को समर्पित दिवस] २०२१ की शुभकामनाएँ! आप चाहे कहीं भी रह रहे हों या जीवन में आपकी परिस्थिति जैसी भी हो, आपके पास अवसर है, एक नई दृष्टि से इस प्राकृतिक विश्व को देखने का। पृथ्वी दिवस २०२१ के लिए विश्वभर के सिद्धयोगियों ने ये छवियाँ भेजी हैं और एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन के लिए सेवा कर रही एक अन्तर्राष्ट्रीय टीम ने प्रकृति में निहित दिव्यता का उत्सव मनाने के लिए इस वीडिओ का निर्माण किया है। सिद्धयोग पथ पर हमने सीखा है कि भगवान, इस प्राकृतिक जगत की विविधतापूर्ण अभिव्यक्तियों में प्रकट हैं। इस वीडिओ में दी गई प्राकृतिक सुन्दरता की छवियों द्वारा, हम उस आभा के प्रति अपनी कृतज्ञता को पुनर्नवीन कर सकते हैं जो हमारे चारों ओर बिखरी हुई है जैसे—बड़ी शान से खड़े देवदार से झाँकती सूर्य की किरणें, श्यामवर्ण आकाश से एकाएक बादलों का मूसलाधार बरसना, आनन्दमय वसन्त में रोबिन पक्षी का उल्लास से चहकना।

इस वर्ष, अर्थ डे की इक्यावनवीं वर्षगाँठ है जो आधुनिक पर्यावरण आन्दोलन को आगे बढ़ाने के लिए अमरीका में आरम्भ हुआ था और अब यह विश्व के १९२ देशों में मनाया जाता है। यह विश्व का सबसे बड़ा ऐसा पर्व है जिसे सभी मनाते हैं और यह केवल एक पर्व या कार्यक्रम ही नहीं जब पृथ्वी का सम्मान किया जाता है, बल्कि उससे भी कहीं अधिक है—यह माता पृथ्वी के प्रति हमारे प्रेम को अभिव्यक्त करने के लिए एक आवाहन है।

आप किसी भी तरीक़े से पृथ्वी दिवस मना सकते हैं, इस वीडिओ में दी गई प्रकृति के शानदार परिदृश्यों का आनन्द लेकर और विस्तृत छवियों को अपने अन्दर समाकर आप आरम्भ कर सकते हैं। इस समय, यह क्षण, अपने प्राकृतिक पर्यावरण की सुन्दरता व प्रचुरता को जान लेने मात्र से अधिक, कुछ और भी करने का एक अवसर है; यह समय पृथ्वी के सक्रिय संरक्षक बनने का अवसर है। अभी हम एक निर्णायक मोड़ पर हैं। इस समय हम बहुत आशीर्वादित हैं कि हमें इस संसार में जीवन व प्राकृतिक स्रोतों के साथ रहने का सौभाग्य मिला है, तथापि यह उपहार सीमित है। अब अपने आप से यह प्रश्न पूछने का उचित समय है, *यह सुनिश्चित करने के लिए मैं क्या कर सकता हूँ कि हमारा यह अद्भुत ग्रह, आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रचुरता व प्रेरणा का स्रोत बना रहे?*

पृथ्वी दिवस २०२१ का वीडिओ देखते समय, इसकी छवियों से प्रेरणा लें। पराग एकत्र करती छोटी-सी मधुमक्खी से लेकर हिम-मण्डित विशालतम पर्वत शृंखला तक, इन छवियों से इस विविधतापूर्ण और दिव्य सृष्टि के प्रति आदरभाव से भरकर विस्मय से अभिभूत हो जाएँ। प्रकृति का वैभव हमारे चारों ओर बिखरा हुआ है—और इसे सँजोए रखना, इसकी देखभाल व सुरक्षा करना हमारा पावन उत्तरदायित्व है।

©२०२१एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।